प्रेसनोट **दि.6/3/16**

'जीवनप्रभात' धर्म का प्रेक्टीकल रूप है - ओमप्रकाश कोहली राज्यपाल गुजरात

आर्यसमाज गांधीधाम द्वारा महर्षि दयानन्द सरस्वतीजी की १९३वीं जन्म जयंती पर 'ज्ञानज्योति महोत्सव' मनाया गया।

दि ५ मार्च २०१६ को आर्यसमाज गांधीधाम द्वारा युगप्रवर्तक क्रान्तीकारी विचारक महर्षि दयानन्द सरस्वती की १९३वीं जन्मजयंती ज्ञानज्योति महोत्सव के रूप में हर्षोल्लास से मनायी गयी। आर्यसमाज गांधीधाम संचालित डी ए वी पब्लिक स्कूल के पटांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री ओमप्रकाश कोहलीजी (महामहिम राज्यपाल गुजरात) पधारे थे। उन्हों ने वेद, भारतीय संस्कृति और महर्षि दयानंद के जीवन पर उदबोधन दिया - आर्यसमाज गांधीधाम संचालित जीवनप्रभात(निराधार बच्चों का आश्रयस्थान) की प्रशंसा करते हुए उन्हों ने जीवनप्रभात को धर्म का प्रेक्टीकल रूप बताते हुए कहा कि संवेदना ही धर्म का सच्चा स्वरूप है। महर्षिजी के विचारों को प्रकट करते हुए उन्हों ने महर्षि के वाक्य ' परराज्य कितना ही अच्छा क्यों न हो लेकिन स्वराज्य पर राज्य से अच्छा होता है' पर टिप्पणी करते हुए बताया कि स्वराज का चिंतन सर्वप्रथम दयानन्द ने दिया था- सामाजिक कुरितियों, पाखंड, अंधश्रद्धा, दलिताद्धार, बाल विवाह, विधवा विवाह जैसे क्रान्तीकार कदम उस समय दयानन्द सरस्वती ने उठाये थे। महर्षिजी ने यह भी बताया कि वेद और टेकनोलोजि के मूल सिद्धांत वेद में है, महर्षिजी ने उस समय वेद के लिए भारतवासियों में अनुराग जताया जब युरोप के लोग वेद को गडरियों का गीत बताते थे। तके गुजरात की भूमि को धन्य बताते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात ने महर्षि दयानन्द, सरदार पटेल और गांधीजी जैसे सपूत राष्ट्र को दिये है। वेद को ज्ञान विज्ञान से भरा ग्रंथ बताते हुए कहा कि वेद के माध्यम से देश समाज और विश्व का कल्याण हो सकता है। राज्यपालजी ने आर्यसमाज गांधीधाम एवं उनके प्रकल्प और श्री वाचोनिधि आचार्य की ओर इशारा करते हुए रामायण के प्रसंग को अंकित करते हुए कहा कि जिस राजा का छत्र भरत जैसा मंत्री धारण करता हो वह राजा और उसका राज्य अक्षय होता है।

विशेष विमान से माननीय राज्यपालजी का कंडला एयरपॉर्ट पर पधारे श्री वाचोनिधि आचार्य ने उनका एयरपॉर्ट पर उष्मापूर्ण स्वागत किया। प्रोटोकॉल के बाद भी वे ६० मिनट की जगह इस कार्यक्रम में १०५ मिनट रूके व प्रार्थना करने पर जीवनप्रभात के बच्चों के साथ फोटो भी खिंचवाये।

स्वागत प्रवचन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र अग्रवालजीने किया - पधारे महानुभावों और जनता जनार्दन का हार्दिक स्वागत किया।

डी ए वी स्कूल का पण्डाल पूरा खचाखच भर गया था लोगो ने खडे खडे कार्यक्रम को शांत चित्त से देखा व सुना। कार्यक्रम की शुरूआत डी ए वी पल्बिक स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा वेदमंत्रो एवं ईश प्रार्थना से की गयी।

स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती (सांसद सीकर राजस्थान)ने अपनी ओजस्वी वाणी में कहा कि देश में जब अंधकार युग था तब लोगों को शिक्षा से वंचित रखा जाता था सामाजि कुरितियाँ फैली हुई थी तब महर्षि दयानन्द ने समाज को नयी दिशा दी वेद की ओर चल ने का आहवान किया था – उन्होने दयानन्द को सामाजिक और धार्मिक क्रांतिकारी बताया।

डॉ के डी जेसवाणी ने भी महर्षिजी के गुणगान गाये और वाचोनिधि आचार्य का अभिनन्दन किया और कहा कि मेरे पिताजी द्वारा स्थापित आर्यसमाज गांधीधाम को वाचोनिधिजी ने कडी महेनत कर नयी ऊँचाई दी और विश्व प्रसिद्ध बनाया। श्री वाचोनिधि आचार्य ३० वर्ष से तन, मन और धन से आर्यसमाज के कार्यो को निष्ठा पूर्वक कर रहे है। पूर्ण समय आर्यसमाज को दे पाये इस हेतु से उन्हों ने बैंक की नौकरी १० वर्ष पूर्व छोड दी। डॉ के डी जेसवाणी का अमृत महोत्सव मनाया गया इस अवसर पर आर्यसमाज गांधीधाम द्वारा माला, शॉल, कच्छी पगडी,श्रीफल एवं स्मृमि चिह्न देकर अभिवादन किया गया।

आर्यसमाज गांधीधाम के प्रधान श्री वाचोनिधि आचार्य ने गांधीधाम आर्यसमाज की सेवा प्रवृति का विवरण दिया और कहा कि विषम परिस्थितियों में भी आर्यसमाज के उददेश्यो के अनुसार सामाजिक सेवा कंडला तूफान में राहत बचाव, २६ जनवरी २००१ के भूकम्प के दिन से ही पीडितों को भोजन आदि देना राहत बचाव व निराधार बच्चों के लिए जीवन प्रभात की शुरूआत की। आत्मिक सेवा यज्ञादि कर्मकांड १६ संस्कारो को करवाना, शारीरिक सेवा योग कक्षा के माध्यम से शहर के लोगों का स्वास्थ अच्छा बनाना आदि कार्य निष्ठापूर्वक किए जा रहे है।

कार्यक्रम में पधारे हुए महानुभावों का स्वागत शॉल, स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छों से संस्था के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। शहर की सक्रिय समाज सेवी संस्थाओ द्वारा भी माननीय राज्यपालजी का अभिवादन–स्वागत किया गया। आभार दर्शन महामंत्री श्री गुरूदत्त शर्मा द्वारा और समस्त कार्यक्रम का सुचारू संचालन उपप्रधान श्री मोहनलाल जांगिड द्वारा किया गया।

स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती(सांसद सीकर राजस्थान),श्री सुरेशचन्द्रजी अग्रवाल(प्रधान सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली)डॉ.के.डी.जेस्वाणीजी(पूर्व सांसद व पूर्व अध्यक्ष जी.एस. एफ.सी.) श्री विनोद चावडा(सांसद कच्छ)श्री रमेश महेश्वरी(विधायक गांधीधाम) श्रीमती गीता गणात्रा(अध्यक्षा नगरसेवा सदन गांधीधाम)श्री ए जे पटेल(कलेक्टर कच्छ) शहर के गणमान्य व्यक्तियों आर्यसमाज गांधीधाम के पदाधिकारियों, ट्रस्टीगण, कार्यकर्ताओं एवं जनता बडी संख्या में उपस्थित रहे।